

दुग्ध महोत्सव में पांच हजार करोड़ के MoU

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ:** दुग्ध स्वर्ण महोत्सव में शुक्रवार को डेयरी के क्षेत्र में निवेश के लिए एमओयू किए गए। सिंगल विंडो व्यवस्था के जरिए इच्छुक निवेशकों ने 5,000 करोड़ के एमओयू किए। उनके इन निवेश प्रस्तावों पर सरकार ने सहमति दी।

दुग्धशाला विकास विभाग के 50 साल पूरे होने पर शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में दुग्ध स्वर्ण महोत्सव शुरू हुआ। दो दिवसीय इस

यूपी में डेयरी क्षेत्र में निवेशकों ने दिखाई रुचि

महोत्सव का उद्घाटन दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि डेयरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। विभाग अब तक 25,000 करोड़ के कुल 796 एमओयू किए हैं। इनके जरिए 60 हजार से अधिक रोजगार का सृजन होगा। ग्रांड ब्रेकिंग सेरेमेनी 5.0 के तहत डेरी सेक्टर की 2000 करोड़ रुपये की 72 परियोजनाओं की शुरुआत हुई है, इससे 4000 रोजगार सृजित हुए। आज 3000 करोड़ रुपये से अधिक के 59 एमओयू आनंदा डेयरी, ज्ञान डेयरी, परम डेयरी से

किए जा रहे हैं। इनसे 13,000 करोड़ से अधिक रोजगार सृजित होंगे।

पशुपालक और उद्यमी सम्मानित:

इस मौके पर कई बड़ी डेयरियों पारस, ज्ञान, शुद्ध, नमस्ते इंडिया, मधुसूदन, मित्र सेवा, भारत सकिर, अमूल और कटिलफीड में दयाल ने अपने स्टॉल

लगाए। बलिनी, बाबा गोरखनाथ जैसी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनियों ने भी इसमें भाग लिया। इस मौके पर विभाग की योजनाओं से

लाभ लेकर बेहतरीन काम करने वाले पशुपालकों और उद्यमियों को पुरस्कृत किया गया। सभी जिलों के विकास खंड स्तर पर 139 लाभार्थियों को नंद बाबा पुरस्कार की धनराशि हस्तांतरित की गई। निजी क्षेत्र के उद्यमियों ने अपने स्टॉल से तकनीकों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग मुकेश मेश्राम, मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार केवी राजू, दुग्ध आयुक्त के. धनलक्ष्मी सहित विभाग के कई अधिकारी भी मौजूद रहे।



दो दिवसीय महोत्सव का उद्घाटन दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने किया।